



हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में पंजाब विधानसभा की कार्यालयी है। साथ में हैं हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण।

## राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

## एकरान इंडिया

DL(N) /145/2021-23

वर्ष: 19 अंक: 01 पृष्ठ: 12



actionindianews@gmail.com

## राष्ट्रीय संस्करण

RNI : DELHIN/2006/19302



## दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पेश किया 1 लाख करोड़ का बजट

महिला समृद्धि से लेकर आयुष्मान योजना का ऐलान, दिल्ली बजट में महिला समृद्धि योजना, वित वर्ष 2025-26 के लिए दिल्ली का एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

टीम एक्शन इंडिया  
नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं वित विधानसभा में वित वर्ष 2025-26 के लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। ऐलान वित वर्ष 2024-25 के बजट के लिए वर्ष 31.5 की संदर्भी अधिक है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट पेश करते हुए बातावर कि वित वर्ष 2023-24 में दिल्ली का बजट 78 हजार 800 करोड़ रुपये था, जो वित वर्ष 2024-25 में घटकर सिर्फ 76 हजार करोड़ रुपये हर गया था।

दिल्ली की 1 लाख करोड़ रुपये का बजट भिला है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सदन को बातावर कि सकार को 68,700 करोड़ रुपये कर से प्राप्त होगा। वर्ष 750 करोड़ रुपये कर के अंतरिक्क कमाई से, 15 हजार करोड़ रुपये लघु अवधि



सरकार के 5 लाख रुपये के कवर के साथ दिल्ली सरकार लोगों को 5 लाख रुपये का दोपां-अप देगी। वित वर्ष 2025-26 के बजट में इसके लिए 2144 करोड़ रुपये का प्रावधान

किया गया है। दिल्ली बजट में महिला समृद्धि योजना मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के बजट में महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़

रुपये का प्रावधान किया है। महिला समृद्धि योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलें। दिल्ली के बुनियादी ढांचों पर होमा काम रेखा गुप्ता को सड़कों को सुधारे, विकास को खस्ता देने, बुनियादी ढांचों को सुधारने के लिए बजट में 28 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 28 हजार करोड़ रुपये के पैरिंजीत व्यय से दिल्ली में सड़क, पुल, जल निकासी, ट्रांसपोर्ट और अन्य सार्वजनिक सेवाओं में व्यापक सुधार होगा। उहाँने कहा कि यह बजट दिल्ली को एक स्मार्ट और आधुनिक शहर में बदलने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इह घर साफ पानी और सीधर सिस्टम अपग्रेड मुख्यमंत्री ने हर घर साफ पानी और सीधर सिस्टम के अप्रेंड मीटिंग की बात कही। जल आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए 9 हजार करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बताते हुए दिल्ली में एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है।

## टीबी मुक्त भारत के लिए देश तैयार: प्रधानमंत्री

तैयार किया एक मजबूत आधार, टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति देखी जा रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

## अभियान

8 भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा: जेपी नड्डा



## जम्मू-कश्मीर से अलगावाद को खत्म कर दिया: शाह

टीम एक्शन इंडिया  
नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा कॉर्पस से जुड़े दो संसदीयों जैके पीपुल्स मूवमेंट और डमोक्रेटिक पॉलिसिटिंग मूवमेंट के अलगावाद को एकीकरण नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगावाद को खत्म कर दिया है। अमित शाह ने मंगलवार को एक्स पर पोर किया, कश्मीर में अलगावाद इतिहास बन चुका है। मंगलवार की एकीकरण नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगावाद को खत्म कर दिया है। हरियाणा हरियाणा से जम्मू-कश्मीर से अलगावाद को खत्म कर दिया है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फि�र से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फि�र से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फि�र से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फि�र से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फि�र से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फि�र से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फि�र से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।

एक्स पोर्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गंभीर के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है।











## संपादकीय

## भारत का पानी पर बड़ा संदेश

इसी महीने 22 मार्च को मनाए गए विश्व जल दिवस पर भारत ने पूरी दृष्टि के साथ तुनिया को बड़ा संदेश दिया है। हरियाणा के पंचकला में 'जल शक्ति अभियान कैच द रेन-2025' की शुरूआत करते हुए केंद्रीय जल शक्तिमंडी सीआर पाटिल ने कहा कि अबर कभी पानी को लेकर तीसरा विश्व बुद्ध लड़ा गया तो भारत उसका हिस्सा नहीं होगा।

प्रधानमंत्री ने रेन्ड मोटी के नेतृत्व में जल सुरक्षा अभियान का निर्माण किया जा रहा है। पाटिल की वह टिप्पणी बेहद अहम है। इसकी वजह यह है कि हरियाणा 70 फीसदी पानी से पर धूरी तुनिया है। 97 फीसदी पानी ऐसा है जो पीने योग्य ही नहीं है। सिर्फ तीन फीसदी पानी पर पूरी तुनिया जीवित है। जल संसाधन मंत्रालय के आंकड़े से पता चलता है कि भारत में एक वर्ष में उत्तराखण किए जाने वाले की शुद्ध मात्रा अनुमति 1,121 लिंग्यन वर्षाक्षी मीटर (वीसीएम) है। वर्ष 2025 में पीने के पानी की मात्रा 1,093 वीसीएम तक पहुंच सकती है। 2050 तक यह 1,447 वीसीएम हो सकती है। इस परिवर्ष के बीच जल शक्तिमंडी की वह आशवस्त्र यह संकेत देती है कि भारत जल संकट से पार पानी के भरपूर इंतजाम कर रहा है। वैसे भी प्रधानमंडी ने रेन्ड मोटी ने विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण के प्राप्त अपनी प्रतिवेदनों को होर्हराइट है। मानव सभ्यता में जल की महत्वपूर्ण भूमिका पर जरूर देते हुए वह भावी पीढ़ियों के लिए इन अमूल्यनाशन की सुरक्षा के लिए प्राप्तिक कार्रवाई का देशवासियों से आह्वान कर चुके हैं। वह कहने में काँइ पहेज नहीं है कि देशवासी उनके आह्वान को गर्व के साथ लेते हैं। वह चाहे गंगा की सफाई का आह्वान हो या स्वच्छता अभियान। साल 2014 के बाद दोनों में अमूल्यपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। इस साल जल शक्ति मंत्रालय ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'जल शक्ति अभियान : कैच द रेन-2025' शुरू किया है। इसमें देश के 148 जिलों को जोड़ा गया है, वर्षाक्षी वहां संकर जाता है। "जल सच्चाय, जल भागीदारी, जल जगारकता की ओर" थीम वाले इस अभियान में जलवाया परिवर्तन और बढ़ाती जल चुनौतियों के मद्देनजर जल सुरक्षा, वर्षा जल संचयन और भू-जल पुरुषराण के महत्व पर जरूर दिया गया है। इसका उद्देश्य जंगलों, नदियों और झीलों के बीच परिस्थितिकों के बहल करना है। जल शक्तिमंडी पाटिल ने कहा कि भारत के जल क्षेत्र में परिवर्तनकारी प्रगति प्रधानमंडी ने रेन्ड मोटी के द्वारा नेतृत्व का परिणाम है। आज पूरे देश में नागरिकों के दरवाजों तक पायांत मात्रा में स्वच्छ पेंजल पहुंच रहा है।

उन्हें देखता रहा सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण है और प्रत्येक नागरिक के देखदान से ही वास्तविक अथवा जें जल सुरक्षा प्राप्त की जा सकती है। पाटिल ने कहा कि जहां भी वारिश हो उसे बद्धा कर वहाँ रिचार्ज करना होगा। पंचकला में जल शक्ति अभियान और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें शामिल हैं-वर्षा जल संचयन प्रणाली, बोर्डल रिचार्ज परियोजना, सूक्ष्म सिंचाई परल, तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, गोबरधन परियोजना और ठांस अपशिष्ट प्रबंधन शेष प्रमुख हैं।



सुनील कुमार महला

“रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान का प्रदर्शन भारत से बेहतर रहा है। पाठकों को बताता चलूँ कि हैपीनेस इंडेक्स पर

उसका स्कोर 4.657 से बढ़कर इस बार 4.768 दर्ज किया गया है, लेकिन उसकी रैंकिंग 108 से गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता पर आधारित यह रैंकिंग लोगों के जीवन

मूल्यांकन के तीन वर्षों के औसत से तैयार की जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस 'खुश स्कोर' में गिरकर 109 पर आ गई है। यहां पाठकों को बताता चलूँ कि प्रिभिन्न देशों की प्रसन्नता प











